अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षणम्
Non-Formal Sanskrit Education

मार्गदर्शिका
Guideline

2016

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

मानितविश्वविद्यालयः

(भारतशासन-मानवसंसाधनविकास-मन्त्रालयाधीनः,

राष्ट्रियमूल्याङ्कन-प्रत्यायनपरिषदा 'ए'-श्रेण्यां प्रत्यायितमानितविश्वविद्यालयः)

नवदेहली

(Rashtriya Sanskrit Sansthan

Deemed University under M/o HRD, Government of India,

Accredited by NAAC with 'A' Grade)

New Delhi

प्रकाशकः
कुलसचिवः
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
(मानितविश्वविद्यालयः)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

सम्पादकः
डा. रत्नमोहनझाः
राष्ट्रियसंयोजकः, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली

अक्षरसंयोजकः
चन्दनसिंहरावतः
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, जनकपुरी नवदेहली

© राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

संस्करणम् : 2016

प्रतयः : 5000

ISBN : 978-93-85182-15-0

मुद्रकः

डी.वी. प्रिंटर्स
97-यू.बी., जवाहर नगर, दिल्ली-110007

पुरोवाक्

भारतीय ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की शास्त्रीय परम्परा को चिरकाल से पुष्ट करने वाली संस्कृत भाषा के अध्ययन हेतु सभी वर्गों के लोगों के द्वारा आकाङ्क्षा प्रकट की जाती रही है। परन्तु औपचारिक शिक्षाव्यवस्था तथा कार्यालयीय नियमों/बन्धनों के कारण उत्सुक व्यक्तियों का भी संस्कृत का अध्ययन सम्भव नहीं हो पाता है। अत एव जन आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु भारत शासन के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के तत्त्वावधान में सञ्चालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा देश के उत्कृष्ट अभियांत्रिक, चिकीत्सकीय, एवं संगणकीय शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में ''अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों'' का सञ्चालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से प्रकाशित सचित्र पाठ्यसामग्रियों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा सरलतम पद्धति से संस्कृत भाषा सिखाई जाती है।

संस्कृत भाषा/शास्त्रों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान के उद्घाटन, भारतीय संस्कृति के अवगमन, तथा राष्ट्रिय एवं उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों के समुन्नयन में यह केन्द्र अवश्य ही उपयोगी सिद्ध होगा।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सञ्चालनार्थ विशेष प्रयत्न करने वाले सभी अधिकारियों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

(प्रो. पी.एन. शास्त्री)
कुलपति

विषय सूची
Content

	पुरोवाक्	03
1.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश	05-10
2.	अध्येताओं के लिए सूचना	11-12
3.	राज्य-संयोजक	13-16
4.	Guidelines for Non-Formal Sanskrit Education Centres	17-22
5.	Information for the learners	23-24
6.	State-Coordinators	25-28
7.	विविध-प्रपत्र (Various Formate)	

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए सस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरलतम प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की सङ्कल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण** का आरम्भ किया गया है।

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्त्वावधान में संचालित एक मात्र बहुपरिसरीय संस्कृत समविश्वविद्यालय है। भारत के विभिन्न राज्यों में इसके अपने 13 परिसर हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजना के अधीन 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों, 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों तथा अनेकों शैक्षिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अपने स्थापना काल 15 अक्टुबर 1970 से अखिल भारत स्तर पर संस्कृत के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित यह संस्थान वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, मीमांसा, पुराणेतिहास, साङ्ख्ययोग, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.) तथा विद्यावारिधि (Ph.D.) के छात्रों को यू.जी.सी. के मानक के अनुसार पारम्परिक शिक्षा प्रदान करता है। इसके साथ शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) एवं शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान विभिन्न राज्यों में सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाता है।

2. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के पाठ्यक्रम का स्वरूप

(क) यह अंशकालिक पाठ्यक्रम है।

(ख) इसकी अवधि अगस्त 2016 से अप्रैल 2017 तक है।

(ग) पाठ्यक्रम

(i) प्रथमा दीक्षा (First Level) - इसके अन्तर्गत 'वाक्यव्यवहार:' नामक पुस्तक का अध्यापन सामान्य संस्कृत में तीन महीनें की अवधि में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 40 घण्टे का समय अपेक्षित है।

(ii) द्वितीया दीक्षा (Second Level) - इसके अन्तर्गत पाँच महीने में 'व्यवहारप्रदीप:' पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इसके लिए न्यूनातिन्यून 70 घण्टे का समय अपेक्षित है।

(iii) केन्द्र में अध्यापन समय का निर्धारण अध्येताओं के सुविधानुसार किया जा सकता है।

(iv) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री नि:शुल्क (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।

(घ) यह पाठ्यक्रम संस्थान के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।

3. प्रवेशार्हता

इस पाठ्यक्रम में कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु प्रवेश ले सकता है। सम्बन्धित संस्था के छात्र, अध्यापक, कर्मचारी तथा अधिकारी के अतिरिक्त अन्य जन-सामान्य भी प्रवेश ले सकते हैं।

4. नामाङ्कन

अध्येताओं को आवेदन पत्र केन्द्र में जमा कराना होगा। अध्येता नामाङ्कन शुल्क रु. 350/- **NEFT** के माध्यम से **'Rashtriya Sanskrit Sansthan'** A/C No -10469781338, IFSC - SBIN0000733, Bank Name - SBI Delhi Cantonment Delhi को प्रेषित कर आवेदन पत्र में निर्दिष्ट स्थान पर Ref. No. का उल्लेख करेंगे अथवा उक्त नामाङ्कन शुल्क केन्द्र के अधिकृत अधिकारी के पास जमा करेंगे। अधिकृत अधिकारी के द्वारा संगृहीत राशि NEFT के माध्यम से संस्थान के उपर्युक्त खाते में जमा करना होगा।

5. छात्र संख्या

प्रत्येक वर्ग (Batch) में 30 अध्येताओं को प्रशिक्षित किया जाना अभीष्ट है। एक संस्था/केन्द्र में एक से अधिक वर्ग चलाए जा सकते हैं। संस्था/केन्द्र के सुविधानुसार परिसर या निकटवर्ती किसी दूसरे स्थान में भी अध्यापन स्थान निश्चित किया जा सकता है।

6. परीक्षा

पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को प्रमाणपत्र दिए जाऐंगे।

7. अध्ययन केन्द्र में अपेक्षित सुविधाएँ

(i) 30 अध्येताओं के बैठने की व्यवस्था हो।

(ii) अध्यापन हेतु संसाधनों यथा कुर्सी, मेज, दृश्य-श्रव्य साधन इत्यादि की व्यवस्था।

(iii) सभी अध्येताओं के गमनागमन की दृष्टि से अनुकूल स्थान हो।

(iv) अध्ययन-अध्यापन हेतु उपयुक्त वातावरण हो।

8. संस्था के कर्त्तव्य

(i) कक्षाओं के सञ्चालन हेतु समुचित स्थान तथा संसाधन का प्रबन्ध।

(ii) केन्द्र के प्रचार-प्रसार तथा अध्येताओं को आकृष्ट करने में सहयोग।

(iii) अध्येताओं को केन्द्र के विषय में अपेक्षित सूचनाएँ देना।

(iv) शिक्षक के सहयोग से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के साथ आवश्यक पत्राचार।

(v) पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को केन्द्र से सम्बद्ध अपेक्षित सूचनाएँ उपलब्ध कराना।

(vi) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारु संचालन हेतु किसी एक व्यक्ति को नामित करना जो इस सन्दर्भ में **अधिकृत अधिकारी** (Autherised Officer) होगा।

(vii) केन्द्र से सम्बन्ध वस्तुओं के संरक्षण तथा संस्थान द्वारा प्रेषित पाठ्यसामग्रियों के वितरण की व्यवस्था।

(viii) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र में कार्यरत शिक्षक को परिचय-पत्र उपलब्ध कराना।

९. अधिकृत अधिकारी के कर्त्तव्य

(i) सभी के सहयोग से विभिन्न प्रचार माध्यमों से केन्द्र के प्रचार-प्रसार की व्यवस्था।

(ii) विभिन्न आयुवर्ग के तथा विविध व्यवसाय के अध्येताओं को संस्कृत के अध्ययन हेतु आकृष्ट करना।

(iii) शिक्षक के परामर्शानुसार केन्द्र के उद्घाटन, सञ्चालन एवं अन्य कार्यक्रमों हेतु व्यवस्था।

(iv) अध्येताओं से संगृहीत नामाङ्कन शुल्क को **NEFT** के माध्यम से **'Rashtriya Sanskrit Sansthan** A/C No -10469781338, IFSC - SBIN0000733, Bank Name - SBI Delhi Cantonment Delhi' में जमा कराना।

(v) यथा समय केन्द्र की गतिविधियों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को अवगत कराते रहना।

(vi) परीक्षा के कार्यों में सहयोग।

(vii) प्रत्येक मास के प्रथम सप्ताह में केन्द्र का मासिक प्रगति विवरण (पूर्व मास का) निर्धारित प्रपत्र में संस्थान को प्रेषित करना।

10. अन्य अवधेयांश

(i) सामान्यत: एक शैक्षिक सत्र के लिए तात्कालिकरूप से संस्था-विशेष में या स्थान-विशेष में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र खोलने की स्वीकृति दी जाती है। किसी भी संस्था को या स्थान को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के स्थायी केन्द्र के रूप में परिगणित नहीं किया जाएगा।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र खोलना, अगले सत्रों में केन्द्र का अनुवर्तन करना/न करना, केन्द्र को निरस्त करना इत्यादि विषयों में राष्ट्रिय संस्कृत सस्थान, नई दिल्ली का निर्णय अन्तिम होगा।

(ii) संस्कृत व्याकरण के अनुसार 'राष्ट्रिय' शब्द शुद्ध है।

(iii) शिक्षक को अपेक्षानुसार एक महीने में एक आकस्मिकावकाश दिया जा सकता है।

(iv) प्रत्येक शिक्षक का एक मुख्य केन्द्र होगा। मुख्य केन्द्र में अध्येताओं की उपलब्धता के अनुसार शिक्षक दो या तीन कक्षाओं में अध्यापन करेगा। अथवा मुख्य केन्द्र के समीप स्थानीय सहायता से अन्य संस्थाओं/उपकेन्द्रों में शिक्षक अध्यापन करेगा।

(v) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण से सम्बन्धित किसी भी विषय में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति का निर्णय सर्वोपरि होगा।

11. केन्द्र का प्रचार

(i) वैयक्तिक सम्पर्क के द्वारा, समाचारपत्रों में विज्ञापन या प्रेस नोट के द्वारा, स्थानीय केबल के माध्यम से, आकाशवाणी से, बैनर के द्वारा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों या अन्य

सार्वजनिक स्थलों पर लिखित सूचनाओं के द्वारा अथवा इतर माध्यमों से अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का प्रचार-प्रसार किया जा सकता है।

(ii) विशिष्ट व्यक्तियों को आमन्त्रित कर केन्द्र की गतिविधियों से परिचय करा सकते हैं।

(iii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की गतिविधियों को जानने हेतु www.sanskrit.nic.in का अवलोकन किया जा सकता है।

12. राज्य संयोजक

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र चलाने वाली संस्थाओं के सहयोग के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा प्रत्येक राज्य में राज्य संयोजक को मनोनीत किया गया है (सूची का अवलोकन करें, पृष्ठ सं- 09-12)। आवश्यकतानुसार उनसे सम्पर्क किया जा सकता है।

13. राष्ट्रिय संयोजक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारत स्तर पर सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों से सम्बद्ध समस्त कार्यों का संयोजन राष्ट्रिय संयोजक के द्वारा किया जाता है। इस निमित्त सभी पत्राचार 'राष्ट्रिय संयोजक, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी नवदेहली-110058 (E-mail – nfsersks@gmail.com) पर किया जा सकता है।

♦♦♦

अध्येताओं के लिए सूचना

➢ **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण**

☞ संस्कृत भाषा वैज्ञानिकी भाषा है। संस्कृत वाङ्मय में कृषि, कला, साहित्य, विज्ञान, दर्शन, प्रबन्धन, तकनीक, आयुर्वेद, विधि आदि का मौलिक ज्ञान निहित है।

☞ अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के द्वारा सरलता से इस विशिष्ट वाङ्मय में प्रवेश कर सकते हैं।

➢ **लक्ष्य**

☞ संस्कृत के अध्ययन का शुभारम्भ।

☞ संस्कृत में निहित विज्ञान एवं साहित्य का परिचय प्राप्त करना।

☞ विश्व में वैज्ञानिक भाषा के रूप में प्रख्यात संस्कृत का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।

➢ **शिक्षणविधि**

☞ प्रत्यक्ष (Communicative) पद्धति।

➢ **पाठ्यक्रम की अवधि**

☞ अगस्त 2016 से अप्रैल, 2017 तक।

➢ **प्रवेशार्हता**

☞ इस पाठ्यक्रम में कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु प्रवेश ले सकता है।

➢ **पाठ्यक्रम का स्वरूप**

☞ यह अंशकालिक पाठ्यक्रम है।

➢ **नामाङ्कन शुल्क**

☞ रु. 350/- (रू. तीन सौ पचास मात्र)।

➢ **आवेदन कैसे करें**

☞ आपकी संस्था में उपलब्ध आवेदन पत्र को भर कर अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र में जमा करें। नामाङ्कन शुल्क रू. 350/- **NEFT** के माध्यम से **'Rashtriya Sanskrit Sansthan'** A/C No -10469781338, IFSC - SBIN0000733, Bank Name - SBI Delhi Cantonment Delhi में जमा कर आवेदन पत्र में निर्दिष्ट स्थान पर Ref. No. भरें, अथवा केन्द्र के अधिकृत अधिकारी के माध्यम से नामाङ्कन शुल्क संस्थान को भेजें।

➢ **पाठ्यसामग्री**

☞ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा निःशुल्क पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।

➢ **कक्षा का समय**

☞ अध्येताओं की सुविधानुसार संस्था के द्वारा कक्षा का समय निर्धारित किया जाएगा। पूर्ण सत्र में कक्षा में अध्ययन के लिए 110 घण्टे होंगे।

➢ **परीक्षा**

☞ पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को प्रमाणपत्र दिए जाऐंगे। यह पाठ्यक्रम संस्थान के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।

♦ ♦ ♦

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के राज्य-संयोजक

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. वी. सुब्रह्मण्यम्, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदाराबाद, (आन्धप्रदेश), दूरभाषा-09848094890 E-mail–vasantosh79@gmail.com
2.	बिहार	डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार), दूरभाषा-08051696738, 08987073006 E-mail–drshriprakashpandey@gmail.com
3.	छत्तीसगढ़	डॉ. मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवाडा, नजदीक कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001, दूरभाष-07389487146 E-mail–mukund.hambarde@gamil.com
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्तशर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ-नई दिल्ली-01, दूरभाषा-09868589976, 09868652077 E-mail–kirtikantsharma2@gmail.com
5.	गोवा	डा.महाबल भट्ट, सी.जी.-4, सबनीस वेली, अरादी, सोकोरो, बार्डेज, गोवा-403507, दूरभाषा-09860060373 E-mail–mahabalabhat@gmail.com

6.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महा-विद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, पो. चान्द्लोदिया, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात), दूरभाषा-09825130768 E-mail–priyabv2@yahoo.com
7.	हरियाणा	प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा), दूरभाषा-09896086579 E-mail–drsmmishra@gmail.com
8.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307, दूरभाषा-09418094293 E-mail–principalvatsal@yahoo.com
9.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180007, दूरभाषा-09419138606 E-mail–profvmshastri@gmail.com
10.	झारखण्ड	डा. ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोवाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड, दूरभाषा-09431993914 E-mail–tarakantshukla@yahoo.com
11.	कर्णाटक	डॉ. के. हरिप्रसाद, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक श्रृंगेरी-577139, दूरभाषा-09449160891 E-mail–hari.hebbar5@gmail.com
12.	केरल	प्रो. सी.एच्.एल्.एन्.शर्मा, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूरु परिसर, डाकघर- पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल), दूरभाषा-09446037208 E-mail–chlnsarma@gmail.com

13.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अम्बादास मुले, संस्कृतप्रगतअध्ययनकेन्द्रम्, पुणेविद्यापीठ, गणेशखिन्ड पुणे-411005, (महाराष्ट्र), दूरभाषा-09860941006 E-mail–ravindra.muley@gmail.com
14.	मध्यप्रदेश	डॉ. नीलाभ तिवारी, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपाल परिसर, संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043(मध्यप्रदेश), दूरभाषा-08962397969, 09827221055 E-mail–drnilabhtiwari@gmail.com
15.	पूर्वोत्तर राज्य	डा शिवाचार्य, गांव-गमीरी, पोस्ट-गमीरी, जिला-शेणितपुर, असम, दूरभाषा-09954868140 E-mail–drshivaacharya@gmail.com
16.	उड़ीसा	डॉ. भगवान सामन्त राय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा. वि.) श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (उड़ीसा), दूरभाषा-09090285245 E-mail–vedanta.bsr@gmail.com
17.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब), दूरभाषा-09815966287 E-mail–indermohansingh78@yahoo.in
18.	राजस्थान	प्रो. वाई,एस,रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा. वि.), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302018 राजस्थान, दूरभाषा-09468843973 E-mail–ysrhrk@gmail.com

19.	तमिलनाडु	डा. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृतविभाग: रामकृष्णमिशन् विवेकानन्द-कॉलेज, मैलापुर, चेन्नई-04, तमिलनाडु दूरभाषा-09444079958 E-mail–ramachandra59@yahoo.co.in
20.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, दूरभाषा-09837149064 E-mail–dr.hgururani.usa@gmail.com
21.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धु मिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी, उत्तरप्रदेश, दूरभाषा-09450870788 E-mail–gopabandhuh@gmail.com
22.	पश्चिम बंगाल	प्रो. अमित कुमार भट्टाचार्य, विभागाध्यक्ष, तुलनात्मक भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग कलकत्ता विश्वविद्यालय, 87/1, कालेज स्ट्रीट, कोलकाता-700073, दूरभाषा-09831240854

♦ ♦ ♦

Guidelines for

Non-Formal Sanskrit Education Centres

Sanskrit language is the unparalleled treasure of Indian wisdom and culture. The resources preserved in this language are vast and manifold. A large number of Indians desire to learn Sanskrit in order to preserve and project original Indianness. It is essential to fulfil their desire by providing the knowledge of Sanskrit language through the simplest possible method and to make them aware of the knowledge well treasured in Sanskrit. In order to execute this ideal and essential objectives by providing the opportunity and facility to those who are desirous to learn Sanskrit, Rashtriya Sanskrit Sansthan has introduced Non-Formal Sanskrit Education.

1. Rashtriya Sanskrit Sansthan

The Rashtriya Sanskrit Sansthan is the only multi-campuses Sanskrit deemed to be University under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. Besides it, the Rashtriya Sanskrit Sansthan provides financial assistance to 22 Adarsh Sanskrit Mahavidyalays, 04 Adarsh Sanskrit Shodh Sansthan and many educational institutions under the scheme of Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. Since its inception on 15th October, 1970, the Sansthan is devoted to the over all development of Sanskrit at all India level by imparting education to the students of Prakshastri (12^{th}), Shastri (B.A.), Acharya (M.A.) and Vidyavardhi (Ph.D.) in Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotisha, Dharmashastra, Nyaya, Vedanta, Mimamsa, Puranetihasa, Sankhy-yoga, Jain Darshan and Bauddha Darshan traditional stream by maintaining UGC standards.

In addition, the Sansthan undertakes training courses of Shiksha Shastri (B.Ed.) and Shiksha Acharya (M.Ed.). Apart from these tradi-

tional degree courses, the Sansthan undertakes Sanskrit learning programme to the public at large scale through Non-Formal Sanskrit Education centres functioning in different states.

2. Nature of Course of Studies of Non-Formal Sanskrit Education Centres

(a) It is a part-time course.

(b) Duration of the course is from August, 2016 to April, 2017.

(c) Course of Studies

(i) Prathama Diksha (First Level) – Under it, the book Vakya-vyavaharah (वाक्य-व्यवहार:) is taught in simple Sanskrit for a period of three months. A minimum period of 40 hours is required to complete the course.

(ii) Dvitiya Diksha (Second Level) – Through Sanskrit Subhashitas, stories and different types of special exercises compiled in Vyavahara-pradeepah (व्यवहारप्रदीप:), Simple Sanskrit grammar is taught in 5 months. A minimum period of 70 hours is required for this course.

(iii) Time period of teaching at the Centre may be decided as per convenience of the students.

(iv) Reading material (First Level and Second Level) will be provided free of cost by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.

(d) This Course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/Ayurveda/various Distance Education Programmes of Rashtriya Sanskrit Sansthan.

3. Eligibility for Admission

Any person desirous of Sanskrit learning is eligible for admis-

sion to this course. In addition to the students, teachers, employees and officers of the concerned institution, admission is also open for general Public.

4. Enrolment

Learners are required to submit their application form in the Centre and should deposit Rs.350/- (Three Hundred Fifty Rupees Only) as Enrolment fee for the Course through NEFT to **Rashtriya Sanskrit Sansthan**, New Delhi (A/C No -10469781338, IFSC - SBIN0000733, Bank Name - SBI Delhi Cantonment, Delhi) or should deposit the fee with the Authorised Officer of the Centre. The Authorised Officer of the Centre will have to deposit the collected fee in Sansthan bank account through NEFT.

5. Number of Learners

Ideal number of learners in each batch may be 30. More than one batch may be conducted at one Centre. The place of study may be within the campus of the Centre at any nearby place according to the convenience.

6. Examination

The examination will be conducted by Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi at the end of the course and the certificates will be given to the successful learners.

7. Required facilities at study centre

(i) Sitting facility for 30 learners.

(ii) Arrangement of material for teaching, like chairs, tables, white-board/ black-board, audio-visual etc.

(iii) The place should be within easy reach of all learners.

(iv) It should have a suitable atmosphere for teaching and learning.

8. Duties of the Institution

(i) Providing sufficient place and facilities for conducting the classes.

(ii) Helping in advertising the course and the Centre in common people and it will extend its help to collect the learners. Co-operation in propagation of the study Centre and attracting the learners.

(iii) Providing required information to the learners about the Centre.

(iv) Necessary Correspondence with Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi in association with the Teacher.

(v) Providing desirable information related to the Centre to Rashtriya Sanskrit Sansthan even after completion of the course.

(vi) Nominating a person as an authorised officer for smooth functioning of Non formal Sanskrit Education Centre.

(vii) Arrangement for preservation of material concerning the Centre and distribution of reading material supplied by the Sansthan.

(viii) Providing Identity Card to the Teacher working at Non-Formal Sanskrit Education Centre.

9. Duties of Authorised Officer

(i) Arrangement for publicity of the Centre through different media with co-operation of all.

(ii) Attracting learners of different age group and various professions for learning Sanskrit.

(iii) Arrangement for inauguration of the Centre, its functioning and other activities in consultation with the teacher.

(iv) Depositing the amount collected from the learners towards enrolment fee through NEFT to **Rashtriya Sanskrit Sansthan**, A/C No. 10469781338.

(v) Informing the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi about activities of the Centre from time to time.

(vi) Cooperating in examination related works.

(vii) Sending the monthly progress report (previous month) of the Centre to the Sansthan in the preseribed proforma in the first week of every month.

10. Other notable matters

(i) Normally, the Non-Formal Sanskrit Education Centre is permitted for one academic session in any Institute or at any place for the time being. No Institute or place will be treated as a permanent Centre of Non-Formal Sanskrit Education.

The decision of Rashtriya Sanskrit Sansthan will be final in the matters regarding opening of Non Formal Sanskrit Education Centre, its continuation/ discontinuation or cancellation of the Centre.

(ii) According to Sanskrit grammar, The word 'राष्ट्रिय' is correct.

(iii) One casual leave in a month will be permissible to the teacher as per requirement.

(iv) There will be the one main Centre of a teacher on availability of more learners at main Centre. The teacher will teach two/three additional classes or the teacher will teach in other institution/sub Centres nearby the main Centre with local assistance.

(v) In any matter concerning the Non Formal Sanskrit education, the decision of the Vice-chancellor, Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi shall prevail.

11. Publicity of the Centre

(i) Non-Formal Sanskirt Education Centres may be brought to light through personal contacts, local cable, Akashvani, Banners, information in writing in schools, colleges, Universityes, other public places or through other modes.

(ii) Distinguished personalities may be invited to introduce the activities of the Centre.

(iii) For information of activities of The Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, its website www.sanskrit.nic.in. in may be consulted.

12. State Co-ordinator

State Co-ordinators in each state have been nominated by Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi in order to help smooth functioning of Non-Formal Sanskrit Education Centres (List may be seen at page no. 21-24). Necessary contact and correspondence may be done with them accordingly.

13. National Co-ordinator

All sorts of works related to the Non-Formal Sanskrit Education Centres all over India are co-ordinated by the National Co-ordinator. Any correspondence regarding this may be done at the address – 'National Co-ordinator, Non-Formal Sanskrit Education Centre, Rashtriya Sanskrit Sansthan, 56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi 110058 (Email Id – nfsersks@gmail.com).

♦ ♦ ♦

Information for the Learners

- **Non Formal Sanskrit Education**
  - ☞ Sanskrit is a Scientific Language. There are so many treatises related to Agriculture, Arts, Literature, Science, Philosophy, Management, Technology, Ayurveda, Law etc. are well preserved in Sanskrit. One can access the scientific knowledge inherited in Sanskrit literature by learning the language through direct communicative method at Non Formal Sanskrit Education Centre.
- **Aim**
  - ☞ To initiate Sanskrit learning.
  - ☞ To introduce the Science and literature in Sanskrit language.
  - ☞ To get a working knowledge in illustrious Sanskrit, the scientific language of the world.
- **Method of Teaching**
  - ☞ Communicative method.
- **Duration of the Course:**
  - ☞ From August 2016 to April 2017
- **Eligibility for Admission**
  - ☞ Any person desirous of Sanskrit learning is eligible for the course.
- **Nature of Course**
  - ☞ It is a Part-time course.

➢ **Enrolment Fee**

☞ Rs. 350/- (Rupees three hundred and fifty only).

➢ **How To Apply**

☞ Submit the filled in application at the Centre. Enrolment fee may be deposited in the Bank A/C electronically/ through Bank transfer/**NEFT** in **'Rashtriya Sanskrit Sansthan'** A/C No -10469781338, IFSC - SBIN0000733, Bank Name - SBI Delhi Cantonment, Delhi or the fee may be sent to the Sansthan through the Authorised Officer of the Centre.

➢ **Study Material**

☞ Study material will be provided by Rashtriya Sanskrit Sasnthan free of cost. This will include first and second level (प्रथमा दीक्षा, द्वितीया दीक्षा) books.

➢ **Time of Classes**

☞ The time period for classes will be decided by the institution as per convenience of the learners.

➢ **Examination**

☞ Examination will be conducted by Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi on completion of the course. The Certificate will be issued to learners passed in the examination. This course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/ Ayurveda/various distance education programmes of Rashtriya Sanskrit Sansthan.

♦ ♦ ♦

State Co-ordinators

S.No.	States	Name and Address of Coordinator
1.	Andhra Pradesh	Dr. V. Subramanyam Dy. Director, Sanskritparishad, Osmania University, Hyderabad (Andhra Pradesh), Mob.no.-09848094890 E-mail–vasantosh79@gmail.com
2.	Bihar	Dr. Shree Prakash Pandey Q.No. -23, University Campus, B.R. Ambedkar University, Muzaffarpur - 1 (Bihar) Mob.no.-08051696738, 08987073006 E-mail– drshriprakashpandey@gmail.com
3.	Chattisgarh	Dr.Mukand Hambarde F-7, Pensionwada, Near Kundan Palace, Raipur, Chattisgarh-492001. Mob.no.-07389487146 E-mail– mukund.hambarde@gamil.com
4.	Delhi	Dr. Kirtikant Sharma Kala Nidhi Vibhag, Indira Gandhi National Center for the Art, Janpath, New Delhi-01. Mob.no.-09868589976, 09868652077 E-mail–kirtikantsharma2@gmail.com
5.	Goa	Dr. Mahabal Bhat C.G-4, Sabnis Valley, Aradi, Soccorro, Bardiz, Goa-403507. Mob.no.-09860060373 E-mail–mahabalabhat@gmail.com

6.	Gujarat	Dr . B.V. Ramapriya Principal 'Darshanam' Sanskrit Mahavidyalaya, Shree Swaminarayan Gurukul Vishvavidyalaya Pratishthanam (SGVP) SGVP Circle, S.G. Highway, Chharodi, Ahmedabad - 382 481 (Gujarat) Mob.no.-09825130768 E-mail–priyabv2@yahoo.com
7.	Haryana	Prof. Dr. Surendra Mohan Mishra Deptt. of Sanskrit, Kurukshetra University, Kurukshetra - 136 119 (Haryana) Mob.no-09896086579 E-mail–drsmmishra@gmail.com
8.	Himachal Pradesh	Dr. Bhaktvatsal Sharma Principal, Sanatan Dharm Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya, Dohgi, Dist. Una, Himachal Pradesh–174 307 Mob.no.-09418094293 E-mail–principalvatsal@yahoo.com
9.	Jammu & Kashmir	Prof. Vishwamurthy Shastri, Ex-Principal, 3/127, Indra Vihar, Old Janipur, Jammu- 180007 Mob.no.-09419138606 E-mail–profvmshastri@gmail.com
10.	Jharkhand	Dr. Tarakant Shukla HOD Department of Sanskrit, Vinova Bhave Vishwa- vidyalaya Hazari Bhag, Jharkhand. Mob.no.-09431993914 E-mail–tarakantshukla@yahoo.com

11.	Karnataka	Dr. K. Hariprasad Rashtriya Sanskrit Sansthan, Rajiv Gandhi Campus, Sringeri – 577 139, Dist. Chikmanglur, (Karnataka) Mob.no.-09449160891 E-mail–hari.hebbar5@gmail.com
12.	Kerala	Prof. Ch.L.N.Sharma Principal, Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University), Guruvayoor Campus, PO- Puranattukara – 680 551 Dist. – Trichur, (Kerala) Mob.no.-09446037208 E-mail–chlnsarma@gmail.com
13.	Maharashtra	Prof. Ravindra Ambadasmule Sanskrit Pragat Adhyayan Kendra University of Pune, Ganesh Khind Road, Pune – 411037 (Maharashtra) Mob.no.-09860941006 E-mail–ravindra.muley@gmail.com
14.	Madhya Pradesh	Dr. Nilabh Tiwari Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University), Bhopal Campus, Sanskrit marg, Baghsawnia, Bhopal – 462 016 (M.P.) Mob.no.-08962397969, 09827221055 E-mail–drnilabhtiwari@gmail.com
15.	North East	Dr. Shivacharya Vill-Gamiri, P.O.-Gamiri(Barangabari) District-Sonitpur (Assam) Mob.no.-09954868140 E-mail–drshivaacharya@gmail.com
16.	Orissa	Dr. Bhagwan Samanta Ray Rashtriya Sanskrit Sansthan Deemed University, Sri Sadashiva Campus, Puri -752 001 (Orissa) Mob.no.-09090285245 E-mail–vedanta.bsr@gmail.com

17.	Punjab	Prof. Indra Mohan Singh Department of Sanskrit, Panjabi University, Patiala - 147 002 (Punjab) Mob.no.-09815966287 E-mail–indermohansingh78@yahoo.in
18.	Rajasthan	Prof. Y.S.Ramesh Rashtriya Sanskrit Sansthan Deemed University, Jaipur Campus, Trivani Nagar, Gopalpura, Bypass, Jaipur-302 018 Rajasthan. Mob.no.-09468843973 E-mail–ysrhrk@gmail.com
19.	Tamilnadu	Dr. R. Ramchandran, Department of Sanskrit, Ramkrishna-mission Vivekanand-Collage, Maillapur, Channai-04, Tamilnadu Mob.no.-09444079958 E-mail–ramachandra59@yahoo.co.in
20.	Uttarakhand	Dr.Harish Chandra Gururani Uttarakhand Sanskrit Academy, Ranipur Jhal, Jwalapur, Haridwar-249407, Uttarakhand. Mob.no.-09837149064 E-mail–dr.hgururani.usa@gmail.com
21.	Uttar Pradesh	Prof. Gopbhandu Mishra Head of the department, Sanskrit Vibhag, Kalasankya, Kashi Hindu Vishwavidyalaya, Varanasi, U.P. Mob.no.-09450870788 E-mail–gopabandhuh@gmail.com
22.	West Bengal	Prof. Amit Kumar Bhattacharjee, Head Department of Comparative Indian language and literature Department, University of Calcutta, 87/1, Collage Street, Kolkata-700073 Mob.no.-09831240854

♦ ♦ ♦